भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 901

जिसका उत्तर 23.07.2026 को दिया जाना है

कोल्लम में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 66 का विकास

901. श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-66 पर कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए एक प्रभावी निगरानी प्रणाली शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने कोल्लम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में एनएच-66 पर कार्य पूरा करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने मयिलाक्कडू, कोट्टियम में मिट्टी को रोकने वाली दीवारों के ढहने के आलोक में कोल्लम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में निर्मित मिट्टी को रोकने वाली उक्त दीवारों की सुरक्षा के संबंध में कोई अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने यह पाया है कि कोल्लम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में एनएच-66 के किनारे निर्मित मिट्टी को रोकने वाली दीवारें आवश्यक सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं हैं और यदि हां, तो उन स्थानों का ब्यौरा क्या है जहाँ खंभों पर वायाडक्ट एलिवेटेड हाईवे बनाने की सिफारिश की गई थी; और

(ङ) क्या सरकार ने कोल्लम लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में एनएच-66 की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई कार्रवाई शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 66 सहित सभी चल रहे राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक तंत्र (फ्रेमवर्क) स्थापित किया है। इसमें राज्य सरकार सहित सभी हितधारकों को सम्मिलित करते हुए, सरकार के राज्य और केन्द्रीय स्तर पर परियोजना की समीक्षा शामिल है।

(ख) कोल्लम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में निम्नलिखित परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं,

क्रम संख्या	**परियोजना**	**पूर्ण होने की मूल निर्धारित तिथि**	**पूर्ण होने की निर्धारित संशोधित तिथि**
1.	कोल्लम बाईपास की शुरुआत तक कोट्टुकुलंगरा को 6-लेन का बनाना	08.10.2024	31.12.2027
2.	कोल्लम बाईपास कदंबट्टुकोणम की शुरुआत को 6 लेन का बनाना	31.03.2025	30.06.2027

(ग) से (ङ) मिट्टी को रोकने वाली दीवारों की सुरक्षा का आकलन करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पलक्कड़ और आईआईटी दिल्ली के भू-तकनीकी विशेषज्ञों की देखरेख में स्वतंत्र भू-

तकनीकी एजेंसियों को नियुक्त किया गया है। विस्तृत मृदा जांच और बोरहोल परीक्षण शुरू किए गए हैं, और उपर्युक्त क्षेत्र जांच डेटा/मृदा स्थितियों के आधार पर डिजाइनों का सत्यापन किया जा रहा है।

निर्मित मिट्टी की दीवारों के डिजाइन का सत्यापन किया जा रहा है। इसके अलावा, मैलाक्कडू (किमी. 504.4) में, रियायतग्राही (कंसेसनेयर) अपने खर्च पर 120 मीटर लंबा पुल का निर्माण कर रहा है।

*****